हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 ओवरऑल टूर्नामेंट में आरपीएस डिग्री कॉलेज...

12 49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 को मिली पीएचडी...

भद्रारहित काल में 13 को होगा होलिका दहन, 14 को खेली जाएगी धुलेंडी

- हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है होली का त्योहार

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

हिंदू धर्म में होली के त्यौहार का विशेष महत्व बताया गया है। ये पर्व हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इसके अगले दिन रंगों और भाईचारा का प्रतीक त्यौहार धुलेंडी खेला जाता है। इस दिन लोग पुराने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं और प्यार-प्रेम व भाईचारा का संदेश देते हैं। कहा जाता है कि जब होली जलती है तो उसमें उनकी पुरानी दुश्मनी, रंजिश, वाद-विवाद, लड़ाई झगड़े आदि सब जलकर राख हो जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि इस वर्ष 13 मार्च वीरवार फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाएगा। अगले दिन 14 मार्च को धुलेंडी खेली जाएगी। पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 13 मार्च को सुबह 10:41 से होगा और 14 मार्च को दोपहर 12:27 तक रहेगी। 13 मार्च को पूर्णिमा तिथि के साथ ही भद्रा का साया भी शुरू हो जाएगा, जो सुबह 10:41 से शुरू होकर रात्रि 11:31 तक भूमि लोक पर रहेगी, जो सर्वदा त्याज्य है। शास्त्रों के अनुसार कभी भी भद्राकाल में होलिका दहन नहीं करना चाहिए। भद्रा के भद्रारहित काल में पूर्णिमा तिथि में ही होलिका दहन करना शुभ माना गया है। इस कारण होलिका दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा उपरांत रात्रि 11:32 से रात्रि 12:30 तक रहेगा। इस समय होलिका दहन करना उत्तम और शास्त्र सम्मत रहेगा।

होलिका दहन पर हवा की दिशाओं से लगाया जाता है शुभ, अशुभ का पता

पंडित राहुल ने बताया कि हिंदू धर्म शास्त्रों में होलिका दहन के समय हवा की दिशा और गति देखकर शुभ-अशुभ का निर्णय किया जा सकता है। होलिका दहन के समय यदि वायु का वेग पूर्व दिशा की ओर हो, तो सर्वत्र खुशहाली आती है। अगर वेग दक्षिण दिशा की ओर हो, तो इसे अशुभ माना जाता है। जिसके अशुभ प्रभाव से महामारी, फसलों को नुकसान, विद्रोह एवं राज्य की सत्ता भंग होने की संभावना बनती है। इसलिए इन चीजों का विशेष ध्यान दें। यदि

पश्चिम दिशा की ओर वायु का वेग हो तो कृषि को नुकसान और अगर उत्तर की ओर है तो यह अत्यंत शुभ माना जाता है, क्योंकि उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर की दिशा होने से सर्वत्र धन धान्य से पूर्णता रहेगी। इसके साथ ही आर्थिक क्षेत्र में उन्नति होती है। अगर वायु का वेग अथवा होली का धुंआ आकाश की ओर जाता है, तो इसे राजनीति में बदलाव का सूचक माना जाता है।

होलिका दहन का महत्व

ज्योतिषाचार्य भारद्वाज ने बताया कि होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक मानते हैं। भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए उसके पिता हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को जलती आग में प्रह्लाद को लेकर बैठने को कहा, लेकिन विष्णु भगवान की कृपा से होलिका जलकर राख हो गई और प्रह्लाद बच गए। इस वजह से हर साल फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाता है।

होलिका दहन पूजा विधि

राहुल भारद्वाज ने बताया कि होलिका दहन करने से पहले भक्त प्रह्लाद और होलिका की पूजा की जाती है। सबसे पहले इन दोनों का ध्यान करें। इसके बाद होलिका में रोली, चावल, साबुत हल्दी की गांठ, गेहूं की बालियां, गोबर के बने बिड़कुले, गोला, गुड आदि होली को अर्पित करें। फिर कच्चा सूत लपेटते हुए होलिका के चारों ओर सात परिक्रमा करें। इसके बाद होलिका को जल का अर्घ्य दें। अपने परिवार का खुशहाली व सुख-समृद्धि की कामना करें। इसके होलिका दहन के समय होली की अग्नि से गेहूं की बालियां भूनकर लाए और होलिका दहन की राख माथे में लगाने के साथ पूरे शरीर पर लगाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक रोग मुक्त होता है। इसके साथ ही इस दिन ईश्वर से नई फसल की खुशहाली की कामना भी की जाती है।

खबर संक्षेप

वरिष्ठ नागरिक संगठन का होली मिलन समारोह आज

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में होली मिलन समारोह का आयोजन नौ मार्च सुबह 11 बजे किया जाएगा। जिसमें एडीसी डा. आनन्द शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। कार्य्रकम की अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा करेंगे। इसी दिन मासिक बैठक का भी आयोजन किया जाएगा।

आरके वाटिका में होली मिलन महोत्सव 11 को

महेंद्रगढ़। हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा 11 मार्च को सुबह 10:30 बजे आरके वाटिका, बवानिया रोड पर होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संघ के प्रदेश अध्यक्ष केबी पंडित मुख्य अतिथि होंगे। संघ जिला संयोजक आनंद शर्मा व जिला प्रधान प्रदीप बालरोडिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी होली मिलन महोत्सव मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में फूलों से होली खेली जाएगी। यह अपनी तरह का अनूठा कार्यक्रम होता है, जिसमें सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद्, वकील, पत्रकार व प्रबुद्ध जन संयुक्त रूप से शामिल होते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे बच्चे होली के गीतों पर झूमते हैं। कार्यक्रम में हास्य व्यंग्य की रचनाओं से लोग लोटपोट होते हैं।

गुर्जर समाज का होली मिलन समारोह 12 को

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि संस्था की कार्यकारिणी ने बैठक कर गुर्जर समाज का प्रति वर्ष की भांति इस बार भी होली मिलन समारोह की रूपरेखा तैयार की है। गुर्जर कल्याण परिषद की ओर से इस वर्ष गुर्जर समाज का होली मिलन समारोह 12 मार्च सायं चार बजे गुर्जर छात्रावास कोरियावास रोड पर आयोजित किया जाएगा।

नांगल में बाबा सेवादास मढ़ी पर भंडारा 11 को

मंडी अटेली। खंड के गांव नांगल के जोहड़ में स्थित बाबा सेवा दास मढ़ी पर आगामी 11 मार्च को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गांव के निवासी सज्जन कुमार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी बाबा की याद में भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

मोहल्ला कायस्थवाड़ा में किया जागरण

नारनौल। प्राचीन श्रीश्याम भक्त मंडल के तत्वावधान में श्रीश्याम का जागरण सुभाष भगत के निवास स्थान मोहल्ला कायस्थवाड़ा में किया गया। बाबा के सेवक डा. राहुल शर्मा ने बताया कि सर्वप्रथम म्यूजिकल ग्रुप ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। विकास जांगिड़ ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे श्याम आएंगे, सुदेश शर्मा ने चढ़ गया श्याम धनी का रंग भजन सुनाकर भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया। मास्टर रोहन, मनीष शर्मा, परमानंद वर्मा, परीक्षित राज, योगी अरमान आदि ने भी अपने भजनों से बाबा के चरणों में हाजिरी लगाई। मौके पर त्रिलोक चंद शर्मा, रवि, भूपसिंह, किशन मुकेश आदि मौजूद थे।

जेसीबी की सहायता से की कार्रवाई, तीन दिन का दिया रिहायशी परिवार को समय

पाली गांव में 17 अवैध दुकानों व 3 प्लाटों को गिराया

- गांव पाली में ग्रामीणों ने कर रखा था लंबे समय से पंचायत की जमीन पर अवैध निर्माण
- सितम्बर माह में कोर्ट ने ग्राम पंचायत के हक में सुनाया था फैसला, तीन बार दिया जा चुका है कब्जाधारियों को नोटिस
- तीन जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया अवैध निर्माण, भारी संख्या में मौजूद रहा पुलिस बल
- इस जगह पर बनाया जाएगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तीन एकड़ में बनने वाले पीएचसी पर खर्च होंगे 1.50 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को गांव पाली में ग्रामीणों द्वारा किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ कारवाई की गई। जेसीबी मशीन की सहायता से पुलिस बल की मौजूदगी में 17 दुकानों व तीन प्लाटों को ढहा दिया गया तथा इस जमीन पर रह रहे दोनों परिवारों को जमीन खाली करने के लिए 72 घंटे का समय दिया गया है।

बता दें कि गांव पाली में लंबे समय से पंचायत की जमीन पर कुछ ग्रामीणों ने अवैध निर्माण कर रखा था। इसका लंबा समय से कोर्ट में केस भी चल रहा था। सितंबर माह कोर्ट ने पंचायत के हक फैसला सुनाया था। वहीं तीन बार ग्रामीणों को नोटिस भी जारी किया जा चुका था, लेकिन ग्रामीणों ने अवैध निर्माण नहीं हटाया। इसके बाद खंड विकास एवं पंचायत विभाग तथा ग्राम पंचायत की ओर से अवैध निर्माण करने वाले लोगों को नोटिस दिए गए थे। शनिवार सुबह करीब नौ बजे शुरू हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई दोपहर तीन बजे तक चली। दो लोगों के रिहायशी मकान होने के कारण उन्हें 72 घंटे के समय में खाली कराने के नोटिस दिए गए हैं।

महेंद्रगढ़। पाली में अतिक्रमण को ढहाती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

सुबह नौ बजे ही ड्यूटी मजिस्ट्रेट खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप की देखरेख में शहर एवं सदर थाना प्रभारी हरि सिंह व कृपाल सिंह के साथ 150 पुलिस कर्मी गांव पाली पहुंचे। खंड विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से मौके पर तीन जेसीबी मशीन बुलाई गई तथा तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की गई। लगभग छह घंटे चली कार्रवाई के दौरान पुलिस बल, खंड विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारी व ग्राम पंचायत पाली के सरपंच देशराज फौजी मौके पर उपस्थित रहे।

1.50 करोड़ से पीएचसी का निर्माण

ग्राम पंचायत पाली के सरपंच ने बताया कि पशु अस्पताल की करीब साढ़े चार एकड़ भूमि में से कुछ पर अवैध रूप से निर्माण किए गए थे। गत वर्ष सितंबर माह में न्यायालय की ओर से ग्राम पंचायत के हक में फैसला दिया था। इसके बाद अवैध कब्जाधारियों को तीन बार नोटिस दिए गए थे। अधिकांश ने दुकानें खाली कर ली थी। कुछ भूमि पर रिहायशी मकान बनाए गए थे, जिन्हें नोटिस देकर 72 घंटे में खाली करने का समय दिया गया है। हाल ही में पशु अस्पताल के निर्माण के लिए 1.50 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृति मिली है। अब जल्द ही पशु अस्पताल के निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा।

घर पर खड़ी आर्टिका गाड़ी का लोहारू में कटा टोल

नारनौल। गांव पवेरा में एक घर में खड़ी हुई प्राइवेट कालेज के प्रिंसिपल की कार का लोहारू के पास टोल प्लाजा पर टोल कटने की जानकारी मिली है। पीड़ित के अनुसार उसने अपनी गाड़ी शुक्रवार सायं 5:40 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकाली, जबकि शनिवार सुबह उसके पास टोल कटने का मैसेज उसके फोन पर आया। पीड़ित का कहना है कि ऐसे में तो कोई अपराधी इसका गलत इस्तेमाल भी कर सकता है।

इसकी वे पुलिस में भी शिकायत करेंगे। निजामपुर खंड के गांव पवेरा निवासी तथा राजस्थान के डाबला के प्राइवेट कालेज में प्रिंसिपल डॉ. रणधीर की गाड़ी एचआर 35 टी 9215 आर्टिका शुक्रवार शाम 5:40 से गांव पवेरा में अपने घर पर खड़ी थी, लेकिन शनिवार सुबह 6:12 बजे पर इस गाड़ी का बिसालवास टोल पर टोल कट गया, जिसकी जानकारी उन्हें फोन पर आए मैसेज से मिली।

महिला दिवस पर मिड डे मील वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। प्रदर्शन करती मिड डे मील वर्कर। फोटो : हरिभूमि

मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी के आह्वान पर शनिवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लघु सचिवालय पार्क में जिला प्रधान सुनीता की अध्यक्षता में सभा हुई। मुख्य अतिथि व वक्ता स्कीम वर्कर्स नेत्री कमलेश ने कहा कि आज का दिन महिलाओं के साथ समानता व उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली महान संघर्षशील महिलाओं के संघर्ष को याद करने का दिन है। महिला दिवस पर एआईयूटीयूसी जिला सचिव छाजूराम रावत ने कहा कि असल में नारी की मुक्ति, पुरुष और नारी के साझे दुश्मन आज की पूंजीवादी व्यवस्था से मुक्ति में है।

उन्होंने महिलाओं के समाज के हर क्षेत्र में योगदान को याद दिलाते हुए देश के आजादी आन्दोलन में आजादी आन्दोलन के गैर समझौता वादी धारा के आजाद हिंद फौज के नायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के आह्वान पर उन दिनों अनेक महिलाओं ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ जी जान से लड़ाई लड़ी थी। यह सोचकर कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खात्मे के साथ ही शोषण, जुल्म और अत्याचार का भी खात्मा हो जाएगा, लेकिन उनका यह सपना आज भी अधूरा है। सभा को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ब्लॉक प्रधान हेमलता, माया देवी, प्रेमलता, सुमित्रा, रोशनी, पूर्व जिला प्रधान बिमला, उप प्रधान सन्तोष पालड़ी, मनीषा, मेनका, बनिता, देवेन्द्र कौर, मुकेश कुमार ने कहा कि स्कीम वर्कर्स को सरकार अपना कर्मचारी का दर्जा दे, न्यूनतम वेतन रुपये 26000 लागू करें। महिला दिवस की सभा के बाद लघु सचिवालय में प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के नारों के साथ मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय के डिप्टी सुपरिटेंडेंट को सौंपा।

नांगल चौधरी को मिलेगा नया उपमंडल सचिवालयः डॉ. अभय सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा सरकार की ओर से नांगल चौधरी के नए उप मंडल को नया सचिवालय देने का निर्णय अंतिम स्टेज पर है और इसी वर्ष नांगल चौधरी में नये उपमंडल सचिवालय का निर्माण प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने बताया कि उपमंडल की स्थापना के तुरंत बाद नांगल चौधरी बाईपास के पास लगती गांव लूजोता की पंचायत भूमि में निर्माण का प्रस्ताव सरकार को भिजवाया गया था, जो मंजूरी के लिए अब सरकार के पास प्रक्रिया में है।

उन्होंने बताया कि सचिवालय का यह स्थान नांगल चौधरी निजामपुर रोड व नांगल चौधरी बाईपास के बीच में पड़ता है तथा इन दोनों सड़कों को पुराना जैनपुर रोड जोड़ रहा है। यह स्थान नांगल चौधरी मुख्य शहर से नजदीक भी पड़ता है तथा इसके लगभग सभी तरफ से नेशनल हाईवे तथा अन्य प्रमुख सड़कों से जुड़ा हुआ है। इसी परिसर में अधिकारियों व कर्मचारियों के निवास स्थान भी बनाए जाएंगे तथा इसके नजदीक ही हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से सरकारी विश्राम गृह भी बनाने का प्रस्ताव है। नांगल चौधरी में उपमंडल सचिवालय बनने उपरांत यह इस क्षेत्र के विकास में एक और मील का पत्थर साबित होगा। आम जनता को एक ही भवन में सभी कार्यालय उपलब्ध होंगे। जिससे समय भी बचेगा और सुविधा भी बढ़ेगी। सरकार के स्तर पर इस कार्य को पूरा करने के लिए गंभीरता से काम किया जा रहा है।

नारनौल। टीम ने पकड़ा नशा तस्कर। फोटो : हरिभूमि

8.62 ग्राम स्मैक सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

- राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो नशा तस्करों पर कस रहा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रदेश को नशा मुक्त करने के प्रदेश सरकार के अभियान को साकार करने में राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो लगातार नशा तस्करों पर शिकंजा कस रहा है। इसी कड़ी में सफलता प्राप्त करते हुए ब्यूरो की रेवाड़ी यूनिट ने एक नशा तस्कर को आठ ग्राम 62 मिलीग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। विदित है कि ब्यूरो प्रमुख महानिदेशक ओपी सिंह के दिशानिर्देशों पर पूरे प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एनसीबी रेवाड़ी यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक बलवंत सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमारी के नेतृत्व व उपपुलिस अधीक्षक गजेंद्र कुमार रेवाड़ी के निर्देशन में सुरेश कुमार रेवाड़ी यूनिट अपनी टीम के साथ थाना सदर महेंद्रगढ़ एरिया के गांव झगड़ोली बस अड्डा पर मौजूद थे। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली की एक नशा तस्कर अपनी स्कूटी पर बुचावास से नांगल हरनाथ रोड पर किसी को नशा सप्लाई करने के फिराक में है, अगर तुरंत रेड की जाए तो नशीला पदार्थ सहित काबू आ सकता है। जिस तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने संदिग्ध को काबू किया। पुलिस टीम ने मौका पर राजपत्रित अधिकारी को बुलाकर आरोपित की तलाशी ली, जिसके पायजामा की बाई जेब से नशीला पदार्थ स्मैक हेरोइन मिला। जिसका कुल वजन आठ ग्राम 62 मिलीग्राम हुआ। आरोपित को उसके वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित की पहचान नीरज उर्फ ननू पुत्र जितेंद्र कुमार के रूप में हुई, जो गांव नांगल हरनाथ का रहने वाला है। आरोपित पर महेंद्रगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया है।

खाटू जा रहे श्यामभक्त की सड़क हादसे में मौत

नारनौल। निजामपुर रोड पर गांव तलोट के समीप खाटूधाम जा रहे एक श्यामप्रेमी को बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक गांव दूलोठ जाट का रहने वाला था और पदयात्री के तौर पर अपने साथियों के साथ निशान लेकर पैदल ही खाटूधाम जा रहा था। घटना बीती रात करीब साढ़े दस बजे की है।

- निजामपुर रोड पर गांव तलोट के समीप बोलेरो गाड़ी ने मारी टक्कर

गांव दूलोठ जाट से खाटूधाम जा रहे करीब 32 वर्षीय श्यामभक्त राकेश कुमार पुत्र सतपाल वासी दूलोठ जाट को बीती रात्रि करीब साढ़े दस बजे गांव तलोट के समीप एक बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। तब उसके साथ अन्य श्यामप्रेमी भी पदयात्रा कर रहे थे, जिन्होंने उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। वहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार उपरांत रेफर कर दिया। जब उसे हायर सेंटर के लिए ले जाया जा रहा था, तब उसने बीच रास्ते में दम तोड़ दिया, जिस पर वापस शव को नारनौल अस्पताल लाया गया। प्रातःकाल को निजामपुर क्षेत्र की पुलिस नारनौल अस्पताल पहुंची, जहां आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने गमगीन माहौल में गांव ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

छिथरौली में किया आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

कनीना। गांव छिथरौली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन करवाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार ने सरपंच प्रतिनिधि बलवान सिंह आर्य की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर एसडीओ पंचायती राज पुरुषोत्तम नाहर, एससीपीओ कृष्णपाल, सुपरवाइजर सुमन, जग्गो, ज्योति, पूजा, सुशीला, संतोष, शर्मिला, पूर्व सरपंच रामफल, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर मेला स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

खाटूश्याम मेले के लिए स्पेशल ट्रेन चली, नारनौल में भी होगा ठहराव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

रेलवे मंत्रालय ने खाटू श्यामजी मेला 2025 के यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु गाडी संख्या 09735/09736, जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09735, जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा नौ मार्च से 11 मार्च तक (03 ट्रिप) जयपुर से 08.35 बजे रवाना होकर 14.00 बजे रेवाडी पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09736, रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा नौ मार्च से 11 मार्च तक (03 ट्रिप) रेवाड़ी से 14.25 बजे रवाना होकर 19.35 बजे जयपुर पहुंचेगी।

महिला दिवस पर चली रेवाड़ी जयपुर स्पेशल रेलसेवा

रेलवे की ओर से खाटू श्यामजी मेला के यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 09741 रेवाड़ी जयपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 09741 रेवाड़ी जयपुर मेला स्पेशल रेलसेवा आठ मार्च को एक ट्रिप रेवाड़ी से 20:20 बजे रवाना होकर 00:25 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में अटेली, नारनौल, डाबला, नीमका थाना, कांवट, श्रीमाधोपुर, रींगस, गोविन्दगढ मलिकपुर, चौमू सामोद एवं ढेहर का बालाजी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में डेमू रैक के 10 साधारण श्रेणी व दो पावर कार डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे।

यहां होगा ठहराव

यह रेलसेवा मार्ग में ढेहर का बालाजी, नीदंड बैनाड़, चौमू सामोद, गोविन्दगढ़ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कांवट, भगेगा, नीमका थाना, मावंडा, जीलो, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, काठूवास व कुंड स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में डेमू रैक के 10 साधारण श्रेणी एवं 02 पावर कार डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

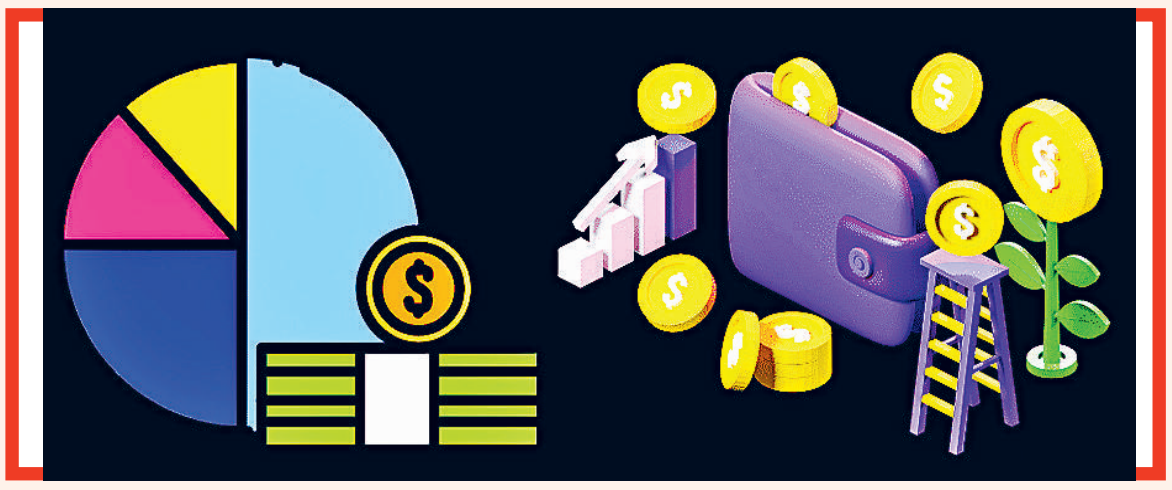

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

नारनौल। कार्यक्रम में महिलाओं को जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

नसीबपुर में महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कॉओपरेटिव बैंक शाखा नसीबपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नगर पार्षद प्रीति यादव, हरकोफेड पूर्व निदेशक सुलोचना ढिल्लो, सरिता जांगिड़ ठेकेदार व महेश्वरी ने उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों व सहकारी समितियों में उनकी भूमिका बारे में बताया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सहकारी बैंक रामकरण ढाका, प्रबन्धक एलसी प्रसंघ, शमशेर सिंह उपनिरीक्षक, यशपाल उपनिरीक्षक, अनीता चौहान व आशा देवी एनजीओ संचालक आदि उपस्थित थे। जिन्होंने सहकारिता विभाग व सरकार की ओर से महिलाओं के लिए चलाई जा रही स्कीमों के बारे में बताया।

आरपीएस कॉलेज बलाना में दो दिवसीय महिला, पुरुष प्रतियोगिता संपन्न

ओवरऑल टूर्नामेंट में आरपीएस डिग्री कॉलेज बनी विजेता

मुख्यातिथि ने कहा कि खेल विद्यार्थी जीवन में बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य के साथ बौद्धिक विकास होता है। वर्तमान में सरकार ने खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हुई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज बलाना में दो दिवसीय वार्षिक प्रतियोगिता का समापन शनिवार को हो गया है। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, विशिष्ट अतिथि सीईओ इंजि. मनीष राव, कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव व रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, विशेष अतिथि प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान, डीन डॉ. हेमंत कुमार रहे। इस टूर्नामेंट में कॉर्डिनेटर की भूमिका पीजी हैड वाईपी सिंह व प्रो. सुमित सैनी ने निभाई।

प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान ने बताया कि रेस 100 मी. में चंचल व हेमंत प्रथम, 200 मी. में चंचल व अंशुल प्रथम, 400 मी. में नितिन, चंचल प्रथम, 800 मी. में हर्षित प्रथम, 1500 मी. में अक्षय प्रथम, रिले रेस में बीटेक पुरुष टीम प्रथम, डिग्री महिला टीम प्रथम, लोंग जैम्प में भूपेंद्र व हिमांशी प्रथम, हाई जैम्प में चंचल व रितेश ढिल्लों प्रथम, जेवलिंग-थ्रो में एकता प्रथम, डिसक्स-थ्रो में एकता प्रथम, शॉट-पुट में एकता व कशिश लांबा, वालीबॉल में डिग्री कॉलेज टीम प्रथम, बास्केट बॉल में डिग्री कॉलेज टीम प्रथम, कबड्डी में डिग्री कॉलेज प्रथम, बेडमिंटन में बीटेक कॉलेज टीम प्रथम, टेबल टेनिस में बीटेक कॉलेज टीम प्रथम रही। इस टूर्नामेंट में मुख्य आकर्षण का केंद्र शिक्षकों का कबड्डी का मुकाबला रहा।

मुख्यातिथि चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि खेल विद्यार्थी जीवन में बहुत जरुरी है। स्वास्थ्य के साथ बौद्धिक विकास होता है। वर्तमान में सरकार ने खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हुई है। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सज्जन सिंह कोच, विक्रम गौतम ने निभाई। टूर्नामेंट को बेहतर ढंग से चलाने के लिए उमेद सिंह, सुनील ढिल्लो, धीरज कोच, विक्रम सिंह, रमेश शर्मा, नवीन पिलानियां व मंजू विशेष भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिला शिक्षिका व अन्य। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कॉलेज के विद्यार्थी व समस्त स्टाफ ने महिला सशक्तिकरण और समानता के महत्व को समझाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव के द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। राव बहादुर सिंह ने कहा कि महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि समाज में महिलाओं को समान अवसर व सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा में अपनी भूमिका निभाएं, नारी के प्रति अपने दृष्टिकोण को सदैव सकारात्मक बनाएं और हमेशा नारी का सम्मान करेगें। संस्था चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी है, उन्हें केवल प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं ने समाज के हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है, चाहे वह शिक्षा हो, राजनीति हो, विज्ञान हो या खेल का मैदान हो हर क्षेत्र में महिलाओं आगे है। नृत्य-संगीत और नाटक के माध्यम से महिलाओं की शक्ति और संघर्ष को प्रदर्शित किया। छात्रों ने महिला शक्ति पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन कॉलेज छात्राओं द्वारा बनाई गई प्रदर्शनी से हुआ।

बीजेआरडी स्कूल में मनाया महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीजेआरडी स्कूल में महिला दिवस व होली मिलन समारोह मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में मातृशक्ति का गर्म जोशी से स्वागत किया। विद्यालय स्टाफ की महिला स्टाफ के साथ बच्चों की माताओं ने अनेक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसमें म्यूजिकल चेयर, होली के गीत, नृत्य, बैलून से संबंधित खेलों में भाग लिया। इसके अलावा बच्चों ने भाषण, गीत एवं डांस आदि में भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि चेयरपर्सन शीला राव व अध्यक्षता डायरेक्टर राजपाल यादव ने की। मुख्यातिथि महिला दिवस के बारे में बोलते हुए कहा कि अपन किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। महिलाओं को लेकर समाज का नजरिया बदल गया है। आज महिलाएं शिक्षा, चिकित्सा, लेखन, खेल, सेना, यहां तक

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

कि जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक अपनी पुरुषों से पीछे नहीं है। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेश सैनी, पीआरओ बिजेंद्र यादव, मंजीत मलिक, मोनू, रूप, अमिता, टीना यादव, ज्योति यादव, निशा यादव, आशा शर्मा, शर्मिला यादव, गीता देवी व सरिता देवी मौजूद रही।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

- हर वर्ग की महिलाओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सिंघानिया विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। कैंपस डायरेक्टर प्रो. पीएस जस्सल ने अपने स्वागत भाषण में हर वर्ग की महिलाओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया और साथ ही संस्था को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए अध्यक्ष व रिटायर्ड आईएएस डॉ. मनोज कुमार का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि नारनौल नगर

नारनौल। अतिथि मंजू कौशिक को सम्मनित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने महिलाओं को समाज की धुरी बताया। उन्होंने सावित्री बाई फूले का उल्लेख करते हुए कहा कि कैसे उन्होंने अपने समय में हर कठिनाई का सामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पहली महिला शिक्षिका होने का गौरव हासिल किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं।

विशेष अतिथि नगर पालिका उपप्रधान मंजू कौशिक ने कहा कि हर दिवस ही महिला दिवस है, महिला समाज की रीढ़ हैं, उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण से ही राष्ट्र की प्रगति संभव है। पचेरी पूर्व सपरंच ओमप्रकाश बोहरा ने कहा कि जिस घर में नारी की पूजा होती हैं, वो स्वर्ग के समान हैं।

सांस्कृतिक संकाय अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास मानव ने कहा कि इस वर्ष को इतिहास की वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। रजिस्ट्रार मोहम्मद इमरान हाशमी ने सभी का धन्यवाद किया। साथ ही विश्वविद्यालय ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया। इस मौके पर संतरा बोहरा, सविता बोहरा, गणित प्रतिभा, विश्व रिकॉर्ड धारक चिड़ावा निवासी वंशिका सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती। फोटो : हरिभूमि

नेशनल मॉडल स्कूल में मनाया महिला दिवस

महेंद्रगढ़। नेशनल मॉडल स्कूल में महिला दिवस पर होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सैकड़ों महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन प्रमोद शास्त्री ने दीव प्रज्ज्वलित करके किया। प्रमोद शास्त्री ने बताया कि नारि नारायणी है, यह उत्पन्न कर्नी व विलयन कर्जी हैं। हर साल आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और समाज में उनके योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। महिलाएं न केवल परिवार की रीढ़ होती हैं, बल्कि वे देश, समाज और दुनिया के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रही हैं, चाहे वह शिक्षा हो, विज्ञान हो, राजनीति हो या फिर खेल, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अभी भी महिलाओं को समान अधिकार देने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

स्केटिंग प्रतियोगिता में प्रियंका ने मारी बाजी

- एसडीम स्कूल छिथरोली में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छिथरोली में आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें बच्चों व माताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्कूल की प्रधानाचार्य रेखा ने बताया कि जगत जननी मातृ शक्ति ही बच्चों के सर्वांगीण विकास में योगदान दे सकती है। अतः महिलाओं के द्वारा बच्चों को संस्कारिक शिक्षा देने के लिए शिक्षकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में महिलाओं ने समाज को सुसंस्कृत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की उपलक्ष्य में अग्रणी रहने वाली महिलाओं को प्रधानाचार्य रेखा दांगी की तरफ से सम्मानित किया गया। स्केटिंग प्रतिस्पर्धा में प्रियंका प्रथम, रेणु ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सर्किल प्रतियोगिता में सुदेश प्रथम, ऋतु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में कविता छिथरोली ने प्रथम, कविता खेड़ी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। संस्था के डायरेक्टर अजमेर सिंह दांगी ने अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि आज की महिला देश की प्रगति में खेती बाड़ी से लेकर वायुयान व अंतरिक्ष में पहुंचने में पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। आज की महिलाएं शिक्षा राजनीति व विज्ञान के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस मौके सत्यपाल, प्रवीन, परमजीत, संकित, सोनू, रमेश कौशिक, प्रमिला, मंजू, नीरज, मंजू, मनीषा, मंजू आदि स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

नारनौल। सीएल स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सीएल स्कूल में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नारनौल। सिल्वर जॉन फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मैथस ओलिंपियाड में सीएल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने गोल्ड व सिल्वर पदक प्राप्त कर सम्पूर्ण जिले में अपने विद्यालय का परचम लहराया। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक अमित गुप्ता, प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने बधाई दी। मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल ने बताया कि वे अपने बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न ओलिंपियाड में उनकी भागदारी करवाती है और उन्हें सफलता प्राप्त करवाने के लिए विद्यालय में अलग से संबंधित विषयों की अतिरिक्त क्लास लगाई जाती हैं। बच्चों की इस सफलता पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गैलेक्सी स्कूल में हरियाणा जीके स्पर्धा का आयोजन

- बच्चों ने अपने विवेक से सोच समझकर प्रश्नों के जवाब दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गैलेक्सी स्कूल बवानिया में हरियाणा जीके प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया, जिसमें कक्षा तीसरी से नौंवी तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल के खेल मैदान में किया गया तथा प्रश्नपत्र में केवल वहीं प्रश्न पूछे गए जो हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में पूछे गए थे। बच्चों ने अपने विवेक से सोच समझकर प्रश्नों के जवाब दिए। प्राचार्य कर्णसिंह ने बताया कि हम स्कूल में बच्चों का समय-समय पर हरियाणा जीके प्रतियोगिता, इंग्लिश ग्रामर, हिंदी व्याकरण, रीजनिंग तथा मैथ का टेस्ट करवाते रहते हैं, ताकि बच्चों को आगे कंपटीशन एग्जाम में किसी प्रकार की दिक्कत न आए, इसी की बदौलत हमारी स्कूल के बच्चों का सरकारी नौकरी में सफलता का आंकड़ा 80 प्रतिशत है। विनीत, कुणाल, मनीत, विनय, अवि, मुस्कान, रक्षित, दीपांशु तथा स्नेह ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय एमडी दरियाव सिंह सहित समस्त स्टाफ ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्मार्ट घड़ी तथा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

जीनियस एकेडमी में मनाया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जीनियस एकेडमी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एकेडमी छात्रा रही सुशीला गड़ानिया जो हाल ही में पीजीटी इतिहास के पद पर कार्यरत है, कुसुम जांजडियावास जो हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है, सरीता दुलोठ अहीर जो कि ग्राम सचिव के पद पर कार्यरत है, रेनु राजावास जो कि पटवारी के पद पर कार्यरत है। समारोह की अध्यक्षता एकेडमी चेयरपर्सन सोनिका यादव ने की। मंच संचालन एकेडमी की छात्रा मोनिका मालड़ा बास ने किया। इस दौरान छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्यातिथि सुशीला गडानिया ने कहा कि हमें जीवन में किसी भी परिस्थिति में हार नहीं माननी चाहिए और लगातार संघर्ष करते रहना चाहिए।

सरस्वती स्कूल में मनाया महिला दिवस

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस पर बेटी पढ़ाओ संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें संस्था के एमडी अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने समाज, परिवार और राष्ट्र के विकास में महिलाओं के योगदान से अवगत कराया।

इस दौरान महिला शिक्षिकाओं ने बेटी पढ़ाओ मुहीम चलाने का संकल्प लिया। इसलिए परिवार के अधिकांश निर्णय पुरुष ही लेते हैं, लेकिन ऐसे फैसलों में संपूर्णता नहीं होती। घरेलू काम या अन्य कार्यों में महिलाओं की सलाह लेने पर परिवार की एकजुटता बढ़ेगी और समाज में संपन्नता का संचार हो पाएगा। उन्होंने कहा कि 15 से 20 सालों से महिलाओं में शिक्षा का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। जिसके प्रभाव से परिवार में एकजुटता और ममतामयी भावना बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की महिलाएं घरेलू कार्यों से लेकर बतौर सैनिक बार्डर पर सेवाएं देने के लिए तत्पर हैं। इसके बाद महिला शिक्षकाओं ने बेटियों की पढ़ाई पर फोकस करने का संकल्प लिया।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद महिला स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

बीआर स्कूल में मनाया महिला दिवस

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। यह विशेष आयोजन नारी सशक्तिकरण, सम्मान और उनके सामाजिक योगदान को समर्पित था। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें मुख्यातिथि चेयरमैन हरीश भारद्वाज, उपाध्यक्ष कृष्ण भारद्वाज, बीआर महाविद्यालय प्राचार्य राकेश कौशिक, प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ, उप प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज तथा विद्यालय की महिला शिक्षिकाओं ने सम्मिलित होकर मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग नृत्य, नाटक और लघु नाटिका के माध्यम से समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान को उजागर किया। प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ ने कहा कि ईश्वर ने नारी को अपनी सृष्टि का प्रतिबिंब बनाया है। स्नेह, प्रेम, देखभाल, सहानुभूति और हर परिस्थिति में खुद को ढालने की क्षमता जैसी भावनाएं महिला को विशिष्ट बनाती हैं। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सबसे पहले महिलाओं को स्वयं एक-दूसरे का सम्मान करना होगा।

महेंद्रगढ़। महिला दिवस पर प्रस्तुति देती बीआर विद्यालय की महिला सदस्य।

महेंद्रगढ़। मां सरस्वति के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम डिग्री कॉलेज में मनाया कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। राव जयराम डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। मुख्यातिथि डॉ. रेनू यादव, विशेष अतिथि डॉ. पविता यादव और डॉ. नीतू शर्मा रही। महाविद्यालय अध्यक्ष डॉ. हरिसिंह यादव, प्राचार्य डॉ. शत्रुघन भारद्वाज, निदेशक सुरेंद्र यादव, गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र यादव उपस्थित रहे। डॉ. रेनू यादव ने विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशक्त किया जाना चाहिए, ताकि वे समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकें। डॉ. पविता यादव और डॉ. नीतू शर्मा ने बताया कि समाज में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उनकी प्रेरणादायक बातें विशेष रूप से छात्र-छात्राओं को प्रभावित करने वाली रहीं। अध्यक्ष डॉ. हरिसिंह यादव ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा और विकास से ही समाज का वास्तविक विकास संभव है।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राईमरी विंग की समस्त अध्यापिकाओं ने हिस्सा लिया। प्राईमरी हैड उमा यादव ने इस विशेष कार्यक्रम में स्कूल की सभी महिला अध्यापिकाओं से कहा नारी शक्ति वह शक्ति है जो समाज को दिशा देती हैं, बदलाव लाती है और देश की तरक्की में अहम भूमिका निभाती है। नारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की जननी है। मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में वह समाज के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और लड़कियां किसी से किसी प्रकार कम नहीं है। उनकी उपलब्धियों को देखकर नहीं कहा जा सकता कि ग्रामीण महिलाएं पुरुषों से किसी प्रकार कम हैं। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने स्कूल की समस्त महिला अध्यापिकाओं को महिला दिवस की बधाई दी।

सार्वजनिक सूचना

मै राजवीर सैनी पुत्र सुबे सिंह वासी शेखपुरा तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मैने भविष्य के सभी कामों के लिए अपना नाम राजवीर से बदलकर राजवीर सैनी रख लिया है। भविष्य में मुझे राजवीर सैनी के नाम से जाना पहचाना जाए।

खबर संक्षेप

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल। महिलाओं को आधुनिक युग में कौशल विकास के साथ जोड़ने से ही महिलाओं को सशक्तिकरण होगा। ये शब्द सेवा संस्था की मुख्य कार्यकर्ता मीनाक्षी ने सोसायटी फॉर एजुकेशन एंड वैलफेयर एक्टिविटिज संस्था की ओर से सेवा संस्था के वृद्ध आश्रम प्रांगण में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के आयोजन के दौरान कहे। इस कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महिलाओं को जागरूकता व कौशल विकास की जानकारियां व उनके अधिकारों के प्रति उनको जागरूक किया गया।

आईसीएआई के परिणामों में छात्रा अंतिम का चयन

नारनौल। यदुवंशी संस्था अपने उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए सदा ही सुर्खियों में रहती है। इसी कड़ी में इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अंकाउंटेट्स के परिणामों में यदुवंशी शिक्षा निकेतन की होनहार छात्रा अंतिम पुत्री जसवंत सिंह ने मेधावी सूची में अपना नाम दर्ज करवाकर विद्यालय व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के उपप्राचार्य नरेश यादव, विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव व प्राचार्य डा. अनंत शर्मा ने कहा कि यदुवंशी अपने अद्भुत, अविश्वसनीय एवं अकल्पनीय परिणामों के लिए पूरे भारत में जाना जाता है।

धूलहंडी पर निकालेंगे नगर परिक्रमा

महेंद्रगढ़। श्याम मंदिर नजदीक खादी भंडार के श्याम मंडल द्वारा फाग के अवसर पर 14 मार्च को धूलहंडी वाले दिन श्याम प्रेमियों के द्वारा पूरे नगर में श्याम ध्वज के साथ नगर परिक्रमा की जाएगी। पंकज व पवन तायल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी श्री श्याम ध्वजा यात्रा प्रातः नौ बजे खादी भंडार मंदिर से शुरू होकर नगर के भगवान परशुराम चौक, सब्जी मंडी, बालाजी चौक, सिनेमा रोड, माता मसानी चौक होते हुए वापस श्री श्याम मंदिर में पहुंचेंगी।

49 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 1426 को मिली पीएचडी उपाधियां

खास बातें

- आज के युवाओं पर है कल के भारत के निर्माण का दायित्व: प्रो. नीलिमा गुप्ता
- हकेंवि के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुई प्रो. नीलिमा गुप्ता

महेंद्रगढ़। हकेंवि के दीक्षांत समारोह स्वर्ण पदक प्रदान करती प्रो. नीलिमा गुप्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन आठ मार्च को हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मुख्यातिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव व पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के निखिल माथुर दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक व वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उन्हें अपने सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान को चुने हुए क्षेत्रों में सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाना चाहिए। प्रो. गुप्ता ने कहा कि अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज की सेवा के लिए भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा के महत्त्व पर भी जोर दिया और विद्यार्थियों से राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि ममता यादव व निखिल माथुर सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। कुलपति ने सभी शिक्षकों को भी उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के निर्माण में महिला शक्ति का अहम योगदान होने वाला है।

1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल

हकेंवि के 11वें दीक्षांत समारोह में कुल 1381 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 49 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत 570 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 811 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 49 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। 1426 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 779 छात्र और 647 छात्राएं शामिल हैं।

मानपुरा व राता कलां में कृष्णावती नदी में भरेगा नहर का पर्याप्त पानी

नांगल चौधरी के 25 गांवों के जल भंडार होंगे लबालब, दुलोठ अहीर तक मिलेगा नहरी पानी

सिंचाई विभाग जिले में बड़ी उपलब्धि की ओर अग्रसर, सभी लंबित परियोजनाएं शीघ्र पूरी होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से चर्चा करते पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह यादव। *फोटो: हरिभूमि*

भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा 2014 में सत्ता संभालने उपरांत जिले की सिंचाई व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिले की नहरी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ ही भूजल रिचार्ज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने उनके कार्यकाल में स्वीकृत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं पर चल रहे काम की प्रगति के बारे में शनिवार को सिंचाई भवन पहुंचकर विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। नांगल चौधरी हल्के सहित विभिन्न गांवों में 25 से अधिक पक्के जल भंडारों के निर्माण की प्रगति के साथ ही, उन्होंने कई गांवों में जोहड़ों को नहर से जोड़ने व भूजल रिचार्ज की परियोजनाओं की प्रगति के बारे में अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया।

उन्होंने इन कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जल भंडारों में लगभग 15 जल भंडारों का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है।

जिसमें बिगोपुर, धौलेड़ा, दोचाना, बसीरपुर, नेहरुनगर, नायन, थनवास, निजामपुर व धानोता आदि गांव सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त 10 जल भंडारों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। जिसमें गोद, बलाहा कलां, भुंगारका, सिरोही बहाली, गोठड़ी व ढाणी बिशना आदि गांव शामिल है। विभाग के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि आगामी वर्षा ऋतु में इन सभी जल भंडारों का निर्माण पूरा करने के उपरांत अगले साल रबी की फसल की सिंचाई के लिए इन्हें पानी से भर लिया जाएगा। प्रथम चरण में निर्मित 10 जल भंडारों से सूक्ष्म सिंचाई विधि से सिंचाई करने के लिए इन गांवों में किसानों के खेत में पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन भी डाली जाएगी, जो किसान के खेत तक पानी पहुंचाएगी।

अतिरिक्त पंप लगाने का कार्य दो माह में होगा पूरा

इसके साथ ही वर्षा ऋतु में नारनौल, नांगल चौधरी अटेली क्षेत्रों के लिए भूजल रिचार्ज के लिए लगभग 600 क्यूसिक पानी लाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए नारनौल ब्रांच पर अतिरिक्त पंप लगाने का काम भी अगले दो महीने में पूरा कर लिया जाएगा। नारनौल ब्रांच से मानपुरा व राताकलां के पास कृष्णावती नदी में पानी भरने के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से दो बड़ी पाइप लाइन डालने का कार्य भी फसल कटने के तुरंत बाद वर्षा ऋतु से पहले पूरा कर लिया जाएगा, ताकि इसी वर्ष इस क्षेत्र में भूजल रिचार्ज के लिए पानी पहुंचाया जा सके। इसी तरह महासर गांव से आगे कृष्णावती नदी को पुनर्जीवित करते हुए राजस्थान में आने वाले नदी क्षेत्र को पाइप लाइन द्वारा बाईपास करके नदी में आगे तक पानी ले जाया जाने का कार्य भी मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। निजामपुर क्षेत्र में लगभग 35 करोड़ रुपये की बड़ी परियोजना इस क्षेत्र में भूजल रिचार्ज एवं जोहड़ों को जोड़ने के अतिरिक्त नारेड़ी, धानोता, छिलरो, निजमपुर में पक्के जल भंडार बनाने का कार्य भी लगभग पूरा कर लिया गया है। इसी योजना के अंतर्गत नापला गांव के बांध को नहरी पानी से जोड़ने के साथ ही मौखुता बामनवास के जोहड़ों को जोड़ते हुए मौखुता के पास दोहान नदी में पानी डालने का काम भी किया जा रहा है।

उल्लेखनीय परिणाम आए सामने: पूर्व मंत्री

डा. अभय सिंह यादव ने कहा कि 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा से समस्त जिले की धरती में पानी भरने के संकल्प के साथ एक सपना देखा था, जो अब धरातल पर साक्षात होते नजर आ रहा है। सभी कार्य पूरे होने के उपरांत जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में सिंचाई एवं भूजल सुधार का व्यापक तंत्र तैयार हो गया है। फालतू पानी को रिचार्ज माध्यमों से हर वर्ष धरती के नीचे पहुंचाया जा रहा है। क्षेत्र के भूजल में क्रांतिकारी सुधार के लक्ष्य के साथ सिंचाई विभाग पिछले 10 साल से पूरे जिले की जल व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने के लिए सतत परिश्रम कर रहा है, जिसके उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। अधिकारियों के परिश्रम एवं हरियाणा सरकार की राजनैतिक इच्छाशक्ति के परिणाम स्वरूप इस जिले के किसान की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हुआ है। जिसके लिए सभी पक्ष बधाई के पात्र हैं।

डिस्ट्रीब्यूट्री का पुनर्निर्माण का कामअंतिम स्टेज पर

महेंद्रगढ़ के देव नगर में दोहान नदी पर बनाए गए पक्के बांध को पिछली बरसात में ही भरा जा चुका है। महेंद्रगढ़ डिस्ट्रीब्यूट्री का पुनर्निर्माण व क्षमता बढ़ाने का काम भी अंतिम स्टेज पर पहुंच गया है। यह कार्य पूरा होने के उपरांत इस क्षेत्र के दर्जनों गांवों में भूजल रिचार्ज एवं जोहड़ों को भरने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इस नहर के जीर्णोद्धार का इस क्षेत्र का कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके अतिरिक्त मांडोला, नींबी, बुडीन इत्यादि अनेक गांवों के जोहड़ भी इस नहर से जोड़ दिए गए हैं। महेंद्रगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी के पुनर्निर्माण उपरांत हेड पर इसकी क्षमता 120 क्यूसिक से बढ़कर 175 क्यूसिक और टेल पर 15 बढ़कर 35 क्यूसिक हो जाएगी। शहबाजपुर, हसनपुर और दोचाना डिस्ट्रीब्यूटरी की क्षमता बढ़ाने के साथ नहर को पक्का करने का काम पूरा कर लिया गया है तथा फसल कटाई के उपरांत दोस्तपुर माइनर की टेल से दोस्तपुर के पास नदी को जोड़ने का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। दताल गांव में पक्का जल भंडार बनाने का काम पूरा हो चुका है तथा गांव के जोहड़ को नहर से जोड़ने एवं ढाणी जाजमा के पास जल भंडार के ओवरफ्लो से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त पानी को नदी में डालने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। नंगल नूनियां के बांध को नहर से जोड़ने का काम इसी गर्मी में पूरा कर लिया जाएगा। हसनपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से रामबास गांव के बांध में भी पानी भरा जाएगा।

लोक अदालत में 4987 केसों का किया फैसला

नारनौल। लोक अदालत में केसों का निपटारा करते न्यायाधीश। *फोटो: हरिभूमि*

- नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेन्द्र सूरा के मार्गदर्शन में शनिवार को नारनौल, महेन्द्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि नारनौल लोक अदालत में अतिरिक्त एवं जिला सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरीए सिविल जज सीनियर डिवीजन ललिता पटवर्धन व सिविल जज जूनियर डिवीजन भुवनेश सैनी ने केसों की सुनवाई की। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ में सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रदीप कुमार व कनीना में अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिवीजन प्रवीन कुमार ने केसों की सुनवाई की।

उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मुआवजा केस, वैवाहिक मामले, जमीन अधिग्रहण मुआवजा से सम्बन्धित मामले, दीवानी मामले जैसे की किराया, बैंक ऋण, बच्चों व पत्नी के लिए भरण पोषण, चेक बाउंस, साइबर क्राइम व राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों को रखा गया। इस लोक अदालत में कुल 5260 केस निपटारें के लिए रखे गए, जिनमें से 4987 केसों का फैसला किया गया।

कनीना में 23 मामलों का किया निपटारा

कनीना। न्यायालय में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोक अदालत का आयोजन एसडीजेएम प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। लोक अदालत बैच में सुनवाई के दौरान कुल 26 मामले रखे गए। जिसमें से आपसी सहमति से 23 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया गया। कुल सेटलमेंट अमाउंट 2092142 रही। इस अवसर पर न्यायालय के एसडीजेएम प्रवीण कुमार ने कहा कि लोक अदालत में विवादों का निपटारा करने से लोगों के समय व धन की बचत होती है, इसलिए लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामले मिल बैठकर निपटाना चाहिए। इस मौके पर पूर्व प्रधान संदीप यादव, लोक अदालत बैंच सदस्य एडवोकेट एडवोकेट संत कुमार, एडवोकेट मीनाक्षी यादव, एडवोकेट राजेश यादव, एडवोकेट परविंद्र सिंह, पीपी गोठवाल, दिनेश कुमार नाजीर, महेंद्र सिंह रीडर, सुरेंद्र यादव, जसवंत कुमार, अमित व दिनेश आदि मौजूद थे।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने मनाया राष्ट्रीय दंत चिकित्सा दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। चिकित्सक को सम्मानित करते ट्रस्ट के सदस्य। *फोटो: हरिभूम*

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर मौखिक स्वास्थ्य व स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए दंत चिकित्सकों को सम्मानित किया। ट्रस्टी भीमसेन शर्मा व नरोत्तम सोनी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से बालाजी डेंटल अस्पताल के संचालक डा. गजराज यादव, चौधरी डेंटल अस्पताल के संचालक डा. करण चौधरी, नागरिक अस्पताल के दंत चिकित्सक डा. विकास कुमार को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस दंत चिकित्सकों और दंत चिकित्सा पेशेवरों के योगदान का सम्मान का दिन है, जो अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और मौखिक रोगों को रोकने के लिए अथक प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सक न केवल आपके स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, बल्कि आपकी मुस्कान को भी कायम रखते हैं। ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व शिक्षाविद् राकेश शर्मा ने कहा कि कर्तव्य में जब सराहना का समावेश होता है तो उसका परिणाम सुखद ही होता है। इस मौके पर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा, शिक्षाविद् राकेश शर्मा, नरोत्तम सोनी, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, डा. संजय शर्मा आदि मौजूद थे। इस अवसर पर दंत चिकित्सकों को अंग वस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

आर्य समाज ने बेटी का सम्मान किया

कनीना। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आर्य समाज गाहड़ा ने विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पढ़ी लिखी बेटी को सम्मानित किया। बिजली निगम कर्मचारी यूनियन के नेता सज्जन कुमार बताया कि सुषमा की दादी मां गुलाबो देवी ने विषम परिस्थितियों में अपने पति की मृत्यु के उपरांत पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालते हुए सुषमा व सभी बहन भाइयों को गणित व अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों में स्नातकोत्तर तक की शिक्षा व उत्तम संस्कार देने में अहम भूमिका अदा की है। आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष अवसर पर आर्य समाज गाहड़ा ने सुषमा की दादी मां का विशेष तौर पर सम्मान किया। इस मौके पर गांव गाहड़ा आर्य समाज के प्रधान रामेश्वर दयाल शास्त्री, सरपंच उषा यादव, धुरेंद्र आर्य, जगन्नाथ मास्टर, महाराम पंच आदि मौजूद थे।

मंडी अटेली। दीक्षांत समारोह में कोमल अग्रवाल को गोल्ड मेडल से पुरस्कृत करते हुए।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कोमल को नवाजा गोल्ड मेडल

मंडी अटेली। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में 11वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें अटेली की कोमल अग्रवाल को गोल्ड मेडल नवाजा गया। कोमल अग्रवाल पहले से ही अपने आपमें एक मेधावी छात्रा हैं। वह 10वीं और 12वीं में नारनौल की बीपीएस स्कूल से टॉप रही है। इसके बाद इन्होंने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर सोनीपत से एलएलबी में भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वह आगे की शिक्षा को जारी रखते हुए सेंट्रल यूनिवर्सिटी पाली में एलएलएम करने के दौरान इन्होंने यहां पर भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसके बाद भी शिक्षा को जारी रखते हुए पीएचडी चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ से विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कर रही है। इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजन, माता-पिता वह अपने चाचा को देती हैं। आगे अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए इनका लक्ष्य एक सफल शिक्षक बनना।

कृष्णानगर में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता सम्पन्न

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर में प्राचार्य अजीत सिंह की अध्यक्षता में दो दिवसीय 26वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन लड़कों की 5000 मीटर, 100 मीटर, लड़कियों की 1500 मीटर व 100 मीटर दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लड़कों की 5000 मीटर दौड़ में मोहित, पंकज व योगेश ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं लड़कियों की 1500 मीटर दौड़ में प्रिया, खुशी व संगीता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। दो दिन चली इस प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष के छात्र नितिन ने बेस्ट एथलीट व बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा खुशी ने बेस्ट एथलीट गर्ल्स रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजीत सिंह ने कहा कि खेलकूद से विद्यार्थी जीवन में अनुशासन व संतुलन आता है।

उन्होंने विजेताओं को पारितोषिक वितरण कर उनका मनोबल बढ़ाया। स्पोर्ट्स इंचार्ज डा. अजय यादव ने सभी छात्रों व स्टाफ सदस्यों को प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने हेतु धन्यवाद किया। डा. नरेश ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डिजिटल सहेली कोर्स का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। शुभारंभ करने के बाद डिजिटल सहेली कोर्स की जानकारी लेती चेयरपर्सन कमलेश सैनी। **फोटो :हरिभूमि**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डिजिटल सहेली कोर्स शुरू किया है। यह बिल्कुल निशुल्क है। इसका शुभारंभ नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने शनिवार पुरानी सराय स्थित जीआईसीई कम्प्यूटर एजुकेशन सेंटर पर किया। इस दौरान चेयरपर्सन ने मौजूद छात्राओं को महिला दिवस के महत्व के बारे में अवगत करवाया।

इस अवसर पर कमलेश सैनी ने कहा कि आज कम्प्यूटर का युग है। जितनी जरूरी शिक्षा है, उतनी ही जरूरत अब कम्प्यूटर का ज्ञान होना है। भाजपा सरकार ने इस कदम को ओर आगे बढ़ाते हुए महिलाओं की तरफ विशेष ध्यान दिया है। यहीं कारण है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन डिजिटल सहेली कोर्स की शुरूआत की है। इससे छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि होगी। साथ ही ऑनलाइन प्रक्रिया से अवगत होने के बाद सरकारी योजनाओं की बेहतर तरीके से जानकारी भी हासिल कर पाएगी। कार्यक्रम में सेंटर संचालक श्यामलाल सैनी ने भी उपस्थित महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए डिजिटल सहेली कोर्स की उपयोगिता और लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कोर्स महिलाओं को डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस मौके पर एलआईसी के चीफ एडवाइजर सुभाष कश्यप, बिजली निगम से जेई कमल सैनी, आर्किटेक्ट हिमांशु और स्लम एरिया टेलेंट संस्था के संचालक हनी गुप्ता के अलावा ग्लोबल किड्स प्ले स्कूल स्टाफ और जीआईसीई कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर के स्टाफ ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

पिछले 10-12 वर्षों में देश व प्रदेश सकारात्मक क्रांतिकारी बदलाव होने से देश का विकास हो रहा

आरती राव को स्वास्थ्य मंत्रालय मिलने से राव साहब समेत हमारी ताकत बढ़ी: चौ. धर्मबीर

- धन्नौंदा गांव में नेशनल हाईवे 11 पर गांव के प्रवेश के द्वार का अनावरण सांसद धर्मबीर ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। धन्नौंदा के प्रवेश द्वार का उद्घाटन करते हुए सांसद चौ. धर्मबीर तथाकार्यक्रम को संबोधित करते सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह। *फोटो: हरिभूमि*

सांसद धर्मबीर ने कहा कि जब से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बागडोर आई है, तब से देश में सकारात्मक क्रांतिकारी बदलाव के साथ विकास हो रहा है। दुनिया में भारत का नाम ऊंचा होने के साथ सड़कों का जाल बिछने के साथ विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार का क्षेत्र के विकास के लिए नया बजट शुरू हो रहा है। उन्होंने अपनी तरफ से किसान, मजदूर, कनेक्टिविटी, पेयजल, कृषि, शहर, गांव के विकास संबंधी 13 प्वाइंट मुख्यमंत्री के समक्ष भेजे हैं। सांसद धर्मबीर धन्नौंदा में नेशनल हाईवे पर गांव के प्रवेश द्वार का शनिवार को अनावरण करने के बाद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सांसद ने कहा कि हमारी बहन आरती राव को प्रदेश की कैबिनेट में स्वास्थ्य मंत्रालय जैसा बड़ा महकमा मिला है, इससे राव केंद्रीय मंत्री साहब व उनको ताकत मिली है। इस शक्ति से हम सब क्षेत्र के विकास के साथ प्रदेश का चहुंमुखी विकास की ओर ले जाएंगे। सांसद ने कहा कि धन्नौंदा के रामसिंह मास्टरजी व उनके भाई इंस्पेक्टर रामकुमार ने अपने दिवंगत भाई की याद में यह प्रवेश द्वार का बनवा कर एक पुनीत कार्य किया है। समाज में एसे कार्य से प्रेरणा लेकर दूसरों को भी करना चाहिए। सांसद ने गांव ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की मांग पर कूड़ा करकट उठाने के लिए ट्रैक्टर देने की घोषणा तथा खेल मैदान की चारदीवारी के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया।

करनी पड़ी भागदौड़

सांसद चौ. धर्मबीर के अपने स्टीक समय पर पहुंचने से समारोह के आयोजक व दूसरे अतिथियों को भागदौड़ उठानी पड़ी। सांसद ने कहा कि जब सूर्य का उदय व छिपने का निश्चित समय है तो हमें भी अपने कार्य तय समय व निर्धारित समय में करने चाहिए।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

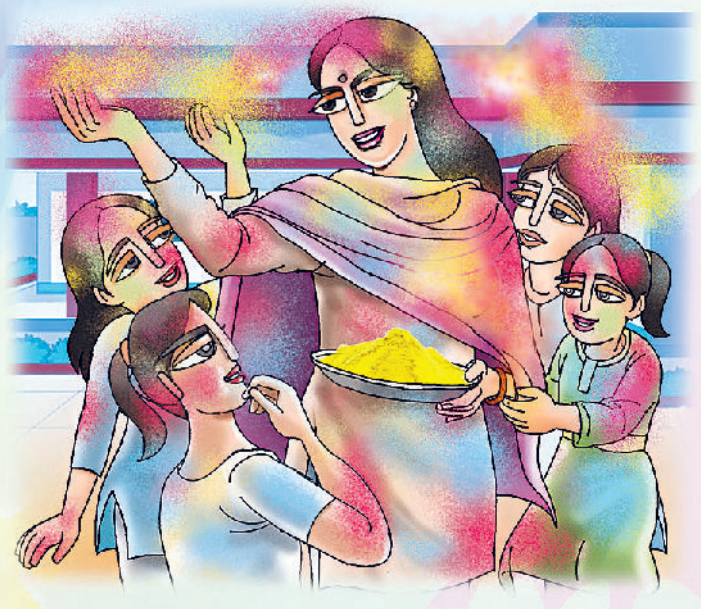

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

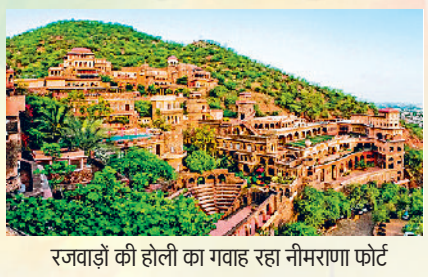

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

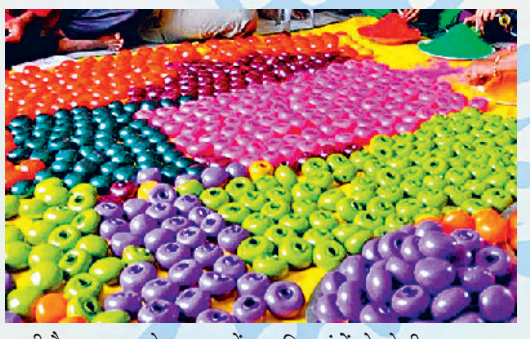

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *